परिणामों को जानबूझकर राजनैतिक कारणों से कम करके बताया गया था।

बहरहाल ज़ावियालोव ने सूखने की तेज़तर रफ्तार की एक व्याख्या भी प्रस्तुत की है। उनका कहना है कि दक्षिण अरल सागर में निचली परत का पानी अधिक खारा है। इस वजह से वह भारी है और नीचे बैठा रहता है। ऊपरी परत के पानी में ही संवहन धाराएं चलती हैं और वही गर्म होता है। चूंकि धूप तो उतनी ही पड़ती है और पानी की कम मात्रा गर्म होती है, इसलिए उसका तापमान ज़्यादा बढ़ जाता है। तापमान बढ़ने से वाष्पीकरण भी तेज़ हो जाता है। यही कारण है कि दक्षिणी अरल सागर का पूर्वी भाग अगले 15 सालों में गायब हो जाने की आशंका है। यह भी हो सकता है कि दक्षिण सागर के पूर्वी व पश्चिमी भागों को जोड़ने वाली नहर बंद हो जाए। तब शायद पानी इतनी तेज़ी से नहीं उड़ेगा।

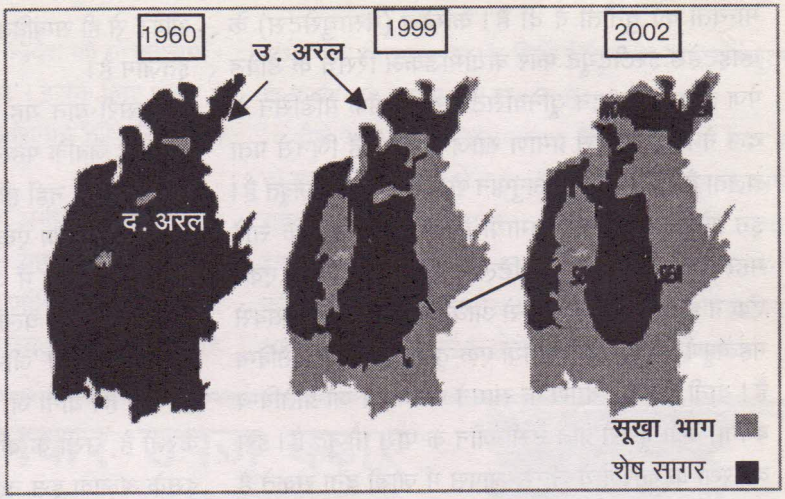

अरल सागर का इतनी तेज़ी से सूखना हमारे सामने घटी एक महत्वपूर्ण घटना है जो एक चेतावनी भी है। जो लोग यह कहते नहीं थकते कि नदियों का पानी व्यर्थ ही समुद्र में बह जा रहा है, उन्हें इस उदाहरण से कुछ तो सबक लेना चाहिए।

वैसे उस इलाके के लोगों ने अब अरल सागर के लोप को स्वीकार कर लिया है। उद्योग उजड़ गए हैं, मछुआरे हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। अब लोगों की प्रमुख समस्या पीने के पानी की है क्योंकि जो नदियां मीठा पानी लाती थीं उन्हें तो मोड़ दिया गया है। ***(स्रोत फीचर्स)***

पुरुष गुणसूत्र की संरचना का तहलका

मनुष्यों में 23 जोड़ी गुणसूत्र यानी क्रोमोसोम होते हैं। इनमें 22 जोड़ियां तो परस्पर पूरक गुणसूत्रों से बनी होती हैं। मगर 23वीं जोड़ी के दोनों गुणसूत्र एक-दूसरे के समान भी हो सकते हैं और एकदम भिन्न भी। इस जोड़ी के गुणसूत्रों को X और Y कहते हैं। जब इस जोड़ी में दोनों गुणसूत्र X होते हैं तो स्त्री बनती है और जब एक X और दूसरा Y होता है तो पुरुष बनता है।

अब तक यह माना जाता था कि Y गुणसूत्र धीरे-धीरे लुप्त होने वाला है। इसका कारण भी बताया जाता था। आम तौर पर प्रत्येक जोड़ी में पूरक गुणसूत्र होते हैं। इसलिए उनमें जीन का लेनदेन चलता रहता है। इस प्रक्रिया को 'क्रॉसिंग ओवर' कहते हैं और यह गुणसूत्र में टूट-फूट की मरम्मत का सबसे कारगर तरीका है। X गुणसूत्र में भी यह संभव है क्योंकि आधे मनुष्यों में दो X गुणसूत्र साथ-साथ आते हैं। मगर दो Y गुणसूत्र कभी साथ नहीं आते। इसलिए Y गुणसूत्र में होने वाली टूट-फूट की मरम्मत का कोई तरीका नहीं है। तो यह माना गया कि इस गुणसूत्र के जीन लगातार झड़ते जाएंगे और एक दिन (घबराइए मत, वह दिन 50 लाख साल बाद आने वाला था) Y गुणसूत्र नदारद हो जाएगा।

मगर हाल ही में Y गुणसूत्र पर उपस्थित जीन्स का खुलासा हुआ है और इससे मिली जानकारी ने उपरोक्त